परिवर्तन
PARIVARTAN
ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : +91 8434170118
तक्ष शिला

अंक – उन्नीस, अगस्त – नवम्बर 2021

बाल संवाद

प्यारे दोस्तों

मैं हुँ चहकने की ललक। इस बार अंक-19 में मेरे बाल लेखकों ने मेरे लिए मेरे बारे में बहुत कुछ अच्छा लिखा है। इससे पता चलता है कि मुझसे मिलने के बाद इन बाल लेखकों में काफी कुछ बदलाव हुआ है। इस बार तो मेरे प्यारे लेखकों ने मुझे खूद से तैयार किए हैं। सर्वप्रथम 2014 में मुझे प्रकाशित किया गया जिसमे मेरे बाल लेखकों ने अपनी रचना को प्रदर्शित किया।

उस दरमियाँ उन्हे बेहद खूशी हुई और लगातार मेरे लिए अपनी रचना लिखते रहे आशा करता हूँ कि आगे भी ऐसे हि अच्छा लिखेगें। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी बच्चों का अखबार है। इस अखबार में सभी बच्चे अपने-अपने कला को दिखाने का कोशिश करते है।

आप का साथी
चहकने की ललक

तलाब की मछली

एक गाँव था जिसका नाम था किशनगंज उसी गाँव में एक बहुत बड़ा तलाब था, जिसमें बहुत सारी मछलियाँ थी। एक दिन कुछ लोग उस गाँव के रास्ते से गुजर रहे थे। तभी एक आदमी बोला यह तालाब बहुत बड़ा है इसमें मछलियाँ भी काफी ज्यादा होगी।
फिर एक दुसरा आदमी बोलता है कि क्यों न हम कल मछुवारों को साथ में लेकर आए और उनके साथ कुछ मछलियाँ पकड़ लें, फिर हम थोड़ा-थोड़ा मछलियों को आपस में बांट लेंगे।
यह बात बोलकर सभी लोग चले जाते हैं, उनकी सारी बातें नदी की बड़ी मछली सुन रही थी। सारी मछलियों को ये बात बताई, पर उनकी बात कोई न सुना, तो अकेली ही पास तालाब में चली गई। दुसरे दिन मछुवारे आये जाल फेककर सारी मछली निकाल लिए, उन मछलियों को अपने आप पर बहुत पछतावा आया कि बड़ी मछली का बात मान लेती तो जाल में नहीं फसती।

अलका जैशवाल
गाँव- बड़हुलिया, क्लास 8

सावन का महिना

सावन का महिना हमें बहुत अच्छा लगता है। सावन में चार सोमवार होते है, सारे सोमवार को हमारे घर मेरी दिदी व्रत रखती है, और हम सोमवार के दिन पढने ना जाकर, उठकर घर-धोकर खाना की तैयारी करने लगते हैं।
और नहाकर मम्मी और भाभी के साथ मंदिर जाकर रिती -रिवाज से भगवान शिव की पूजा करते हैं। वहाँ बहुत ही मजा आता है। मैं बचपन से ही अभी तक सबके साथ पूजा में शामील होती हूँ।
आज सावन का आखीरी सोमवार था, आज हम सारी लड़कियां एक साथ रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर एक साथ मंदिर गये थे, बहुत ही मजा आया।

रौशनी यादव
मियां भटकन, वर्ग-8 वीं

सावन का महिना

सावन का महिना में हम सब घर की साफ-सफाई करते हैं, फिर हम-सब सावन में प्रत्येक सोमवार को व्रत रखते हैं, उसे सोमवारी भी कहा जाता है। उस दिन हम लोग मंदिर मे जाकर बहुत ही धूमधाम से पूजा करते हैं।
और भगवान से मन्नत भी मांगते हैं, औरते और लड़के भी पुजा करते हैं। हम लोग सावन में मांस-मछली नही खाते हैं।

आरती यादव
मियां भटकन, वर्ग-8 वीं

कविता

पानी बरसा भर गए ताल, नालों में खुशी मेढक लाल, बादल आये करते शोर, नाच उठी धागों में मोर। टर्र-टर्र की आवाज आयी खेल रहे मेढक राज बच्चों का आया ताऊ तैर आयी कागज की नाव निकल बड़ी छातों की रेल बाजारों में ठेलम-ठेल हमसे हो गई भूल, पानी मे दौड़े स्कूल, टिचर ने दी छुट्टी बोल हम घर आए होकर गोल।

प्रिन्स कुमार
खेम भटकन, क्लास 5

तलाब की मछली

मेरे घर के पास एक छोटा सा तलाब है, उसमें बहुत सारी मछली है, यह मछलियां हमें बहुत पसंद है, मैं सुबह-शाम उन्हें दाना देने जाता हूँ। उन्हें देखता भी हूँ। उस तलाब में नहाता भी हूँ। मैं छोटी से ज्यादा बड़ी मछलियां पसंद करता हूँ।

सोजु कुमार
ग्राम खेम भटकन

बेरा का फुल

बेरा का फूल जब हम बरसात के मौसम में देखते है। तब तलाब में बेरा का फूल उगता है। तो मानो जैसे कमल का फूल है। दोनो फूल सफेद होता है। देखने में बहुत सुन्दर लगता है। बेरा के फूल हो हम अपने घर ले जाते है। तो उस बेरा के फूल को मम्मी उसका पकौड़ी बनाती है। हम सब बहुत खुश होकर पकौड़ी खाते है। तथा बेरा मुझे बहुत पसन्द है।

पलक शर्मा
क्लास 6
ग्राम मियाँ भटकन

बेरा का फुल

बेरा बरसात के मौसम मे होता है, वर्षा का पानी तलाब मे जाकर इक्कठा होने पर उस पानी में जमकुल बनता है और उसी में बेरा खिलता है। बेरा को तोड़कर हम घर लाते है और उसका बीज सुखाकर उसको भुजकर मीठा के साथ तिलवा बनाकर हमलोग खाते है जो बहुत ही अच्छा लगाता है।

नाम जुही कुमारी
ग्राम बन्धु सलोना, क्लास 5

मेंढ़क की टर्टराहट

सावन के महिना में मेढ़क की आवाज आती है टर्र-टर्र। जब हमलोग घर पर टीवी देख रहे होते हैं या खाली बैठे रहते हैं, तब मेढ़क की टर्टराहट सुनने में अच्छा लगता है, और जब मम्मी डॉटती है तो उसकी टर्र-टर्र सुनकर गुस्सा आता है लगता है जैसे मेढ़क हमें चिढ़ा रहे हैं। जब मेढ़क ऊपर मुंह करके बोलते हैं तो इसका मतलब होता हे वे भगवान से और वर्षा मांग रहे है, और जब कोई चिड़िया बारिश में नहाने लगे तो वर्षा बंद हो जाता है, ऐसा हमारी दादी नानी कहती हैं।

रौशनी कुमारी
मियां भटकन, वर्ग-7

कविता

हती चुकी मछली, पानी में बिछली
पापा जी पकड़नी, मम्मी जी धोवली
बुआ जी बनइली, सब मिलके खइनी बड़ा माजा आइल।
उजला रंग के मछली पानी में होली
पापा मछली मार के लि अइनी
सब केहु खइलन

बबलू कुमार
ग्राम-बन्थु
सलोना, क्लास-3

मेंढ़क की टर्टराहट

हम अक्सर देखा करते हैं कि जब वर्षा होती है तो सब मेंढक की आवाज एक साथ टर्र-टर्र आने लगती है।
मेढ़क भगवान से हमेशा अपनी आवाज में पानी मांगते रहते हैं वे कहते हैं कि हमारे जीवन में पानी की कभी भी कमी न हो, सारे कुएं और तालाब हमेशा भरा रहे।

आरती यादव
घर-मियां के भटकन
वर्ग-7

चुटकुला

यमराज- बेटी तु बता कहा जायेगी स्वर्ग में या नरक में।
बेटी- यमराज मुझे मेरा मोबाइल और चार्जर ला दो और बिजली कनेक्शन कर दो कहीं भी रह लूंगी।
पत्नी- आप न बहुत भोले-भाले है आपको कोई भी बेवकुफ बन देगा।
पती- शुरुआत तो तेरे बाप ने ही की थी।

नाम-रौशनी यादव
ग्राम-मियां के भटकन
क्लास-7 वीं

कविता

मेंढ़क बने कुए का राजा

खुब बजाता अपना बाजा

उछल कुद कर धुम मचाए

सब पर अपना रोब जमाए

नाम-अनिसा कुमारी सिंह,
वर्ग-3
गांव-नारायणपुर

पहेली

कौन सा ऐसा डर हैं जो इंसान को सुन्दर बनाता है

उत्तर- पाउडर

वो कौन सी ऐसा नाम हैं जो आगे पिता का उपनाम और पिछे मां का उपनाम बना है।

उत्तर- श्री देवी

हरी थी मन झरी थी लाख मोती जड़ी थी राजा जी बाग में कम्बल ओड़ी खड़ी थी।

उत्तर- मक्का
नाम-शिवानी कुमारी
वर्ग-5, गांव-बड़हुलिया